सूर्य ग्रह का रत्न

माणिक्य (Ruby) सूर्य ग्रह का रत्न है और सूर्य ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। शुद्ध माणिक्य रत्न धारण करने के परिणाम चार वर्ष तक प्राप्त होते हैं। लाल रंग का माणिक्य रत्न सर्वश्रेष्ठ होता है, यदि लाल रंग के साथ श्याम वर्ण भी मिश्रित हो तो भी वह माणिक्य रत्न ही है। शुद्ध माणिक्य रत्न के अभाव में सूर्य ग्रह के उपरत्नों का भी प्रयोग किया जा सकता है जैसेः- रक्तमणि, लालतुर्मली, सूर्यकान्तमणि, तामम्णि, रतवा हकीक, गारनेट आदि।

माणिक्य रत्न की सामान्य पहचान

देखने में माणिक्य रत्न रेशेदार, सुर्ख लाल, हाथ में लेने पर वजन में भारीपन वाला लगता है, माणिक्य रत्न से पत्थर पर लकीर खींचने पर माणिक्य रत्न नही घिसता।

माणिक्य रत्न की सामान्य परीक्षण विधियां

गाय के दूध की बूंद माणिक्य रत्न के ऊपर रखने पर गुलाबी दिखाई देती है, माणिक्य रत्न को कांच के गिलास में डालने पर उससे हल्की लाल किरणें निकलती दिखाई देती हैं।

माणिक्य रत्न धारण करने की विधि

माणिक्य रत्न को सोने, चांदी या तांबे की अंगूठी या लॉकेट में बनवाकर, उसकी प्राणप्रतिष्ठा करके या करवाकर, किसी शुभ मुहूर्त में या शुक्ल पक्ष का सूर्य वार या सूर्य की होरा या सूर्य नक्षत्र के दिन सुबह अनामिका अंगुली (Ring Finger) में धारण करना चाहिये।

माणिक्य रत्न धारण करने के लाभ

जन्म पत्रिका में सूर्य ग्रह के स्वामित्व भाव, सूर्य ग्रह स्थित भाव, सूर्य ग्रह की दृष्टि और दशा आदि में सूर्य ग्रह के शुभ प्रभावों को बढ़ानें और अशुभ प्रभावों को कम करने में माणिक्य रत्न सहायक होता है, साथ ही माणिक्य रत्न स्वास्थ्य, वंश वृद्धि, राजकीय क्षेत्र में प्रतिष्ठा, नेत्र रोग, पित्त विकार, हृदय रोग से मुक्ति, शत्रुओं पर विजय, यश, सम्मान, प्रभाव, वैभव, आध्यात्मिक भाव के साथ भौतिक समृद्धियां आदि प्राप्त करनें में भी सहायक सिद्ध होता है।

माणिक्य रत्न धारण करने के लिए निर्देश और सावधानियां

माणिक्य रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए अंगूठी या लॉकेट का निचला भाग भी खुला होना चाहिए ताकि माणिक्य रत्न आपके शरीर को छू सके। माणिक्य रत्न धारण करने के बाद यदि संभव हो सके तो तामसिक भोजन का प्रयोग न करें, नही तो कम से कम रविवार के दिन तामसिक भोजन का प्रयोग बिलकुल न करें, धैर्य रखें, क्रोध न करें, झूठ न बोलें और रविवार के दिन यथा शक्ति सूर्य ग्रह का मंत्र जप करें। **माणिक्य रत्न धारण करने के बाद 27 दिन के अन्दर यदि आपको प्रतिकूलता का अनुभव हो तो तुरंत ज्योतिषीय सलाह लें।**